

उत्तरांचल शासन

सामान्य प्रशासन विभाग

संख्या- 56 /सा0प्रशा0/2004

देहरादून: दिनांक 04 जनवरी, 2004

कार्यालय-ज्ञाप (रनर)

सामान्य प्रशासन विभाग के कार्यालय ज्ञाप संख्या-3380/एक-4/2002, दिनांक 28-11-2002 एवं निज्ञापित संख्या-96/सा0प्रशा0/2003, दिनांक 26-2-2003 तथा कार्यालय ज्ञाप संख्या-444/सा0प्रशा0/2003, दिनांक 31 जुलाई 2003, जिसके अन्तर्गत उत्तरांचल राज्य के राजधानी हेतु उपयुक्त स्थान के भवन के संबंध में गठित एकल सदस्यीय धन आयोग को पुनर्जीवित करते हुए आयोग के अध्यक्ष द्वारा कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से छः माह की अवधि तथा उक्त अवधि समाप्त होने के उपरान्त पुनः 1-8-2003 से छः माह की अवधि के लिए कार्यकाल बढ़ाया गया है, की अवधि में आयोग द्वारा अपना प्रतियेदन प्रस्तुत न किए जा सकने की स्थिति में श्री राजन्पाल महोदय उक्त कार्यालय ज्ञाप में इंगित शर्तों के अधीन दिनांक 1-2-2004 से तीन माह की अवधि के लिए पुनः बढ़ाये जाने की स्वीकृति प्रदान करते हैं।

आर0प्रशा0 टोलिया

मुख्य सचिव।

संख्या- 56 (1)/सा0प्रशा0/2003, तदुद्दिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

- 1- सचिव, श्री राजन्पाल, उत्तरांचल।
- 2- प्रमुख सचिव, मा0 मुख्यमंत्री, उत्तरांचल।
- 3- सहायक प्रमुख सचिव/सचिव, उत्तरांचल शासन।
- 4- महालेखाकार, उत्तरांचल, ओबेराय गेट्स, गजरा, देहरादून।
- 5- सचिव, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली।
- 6- सूचना निदेशक, उत्तरांचल।
- 7- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 8- न्यायमूर्ति श्री वीरेन्द्र दीक्षित, मा0 अध्यक्ष, राजधानी स्थल धन आयोग, उत्तरांचल सर्किट हाउस, देहरादून।
- 9- सांख्यिक निदेशक, राजकीय मुद्रणालय सीधो प्रेस रुकली को इस निर्देश के लिए प्रेषित कि वह उक्त प्रतिलिपि को आगामी मजदूत में प्रकाशित करने का काम करें और उरली 100 प्रतियां प्रेषण को उपलब्ध करा दें।
- 10- मार्च कार्यालय।

आज्ञा से,

महेश्वरी

(भारतचन्द्र)

अपर सचिव।